ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS
321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 44 | 06/2022-23 | MONTHLY | June 2022

Events	Date	Time
Volunteers Meeting (see 22 page for more information)	Sunday 12th June & Sunday 10th July 2022	1pm to 3pm
New - Yog Class (see 23 & 24 page for more information)	Every Sunday	9am to 11am
New- Bhangra Class (see 23 & 24 page for more information)	Every Tuesday	6.30pm to 7.30pm
Raksha Bandhan	Sunday 14th August 2022	11am 1pm
Ved Katha (7 days)	Sunday 14th August to Saturday 20th August 2022	7pm - 9pm
Independence Day of Bharat & Shri Krishna Janmasthmi	Sunday 21st August 2022	11am - 1pm Followed by Langar

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Email - enquiries@arya-samaj.org Website - www.arya-samaj.org
Charity registration number 115678

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
How to live a complacent life? How to praise everyone and everything?- Vimal Wadhawan Yogachary	4
कॉग्रेस का जन्म–आचार्य डॉ. उमेश यादव	5
A Tribute to Dr Arvind Sharma	10
Youth Volunteers' Meeting on 8th May 2022	12
वैदिक संस्कृति भारतीय संस्कृति मूलक पाठ्यक्रम व ऐतिहासिक सुधार	14
Children's Corner – The Foolish Friend	16
News (पारिवारिक समाचार)	17
Your Arya Samaj is here to help you in "Your Hour of Need"	17
Emerency Funding for Tower	19
Members who pay donations by standing order	20
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	21
Next Meeting for Voluntees	22
Weekly services details	23
We need more of our members to donate monthly/yearly.	25

NEW HOURS

For General and Matrimonial Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday – 12. 30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 10.30am to 4.30pm.
Thursday – 2.30pm – 8.30pm
Bank Holidays – Closed
Tel. 0121 359 7727

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727
Charity registration number
1156785
E-mail
enquiries@arya-samaj.org
Website
www.arya-samaj.org
facebook
https://www.facebook.com/aryasamaiwestmidlands/

10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means. (At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**

2. **God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**

4. **All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**

10. **In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

How to live a complacent life?
How to praise everyone and everything?

Athaa na ubhayeshaamamrita martyaanaam. Mithah santu prashastayah. Rigveda 1.26.9

अथा न उभयेषाममृत मत्र्यानाम्। मिथः सन्तु प्रशस्तयः। ऋग्वेद मन्त्र 1.26.9

(Atha) Hence (nah) we (ubhayeshaam) both type of (amrita) non-dying (martyaanaam) dying (Mithah) reciprocally for each other (santu) be (prashastayah) praise worthy.

Elucidation

How to live a complacent life?
Once after imbibing the sacrificing feature in life, this verse inspires us to consider all types of people or situations, dying or non-dying things, to be praise-worthy. No hatred, inimical feeling and even no complaint against anyone or anything in the universe. Non-dying and dying represent the pairs of God and the universe, soul and the body, great intellectuals and common people, sacrificing and beneficiaries, living and non-living. There shall be no disregard to any. Such a life would certainly become a fully complacent life i.e. a non-complainant life.

Practical Utility in life

How to praise everyone and everything?
Only by praising everything, we can gain peace, spiritual progress and rather an atmosphere for smooth material progress. Even if someone is to be corrected, it would be very easy to persuade him for correction after first praising him for his goodness. Nothing in this universe is total bad or total good. Just keep an eye on goodness and praise everyone or every situation. It's a great trait to achieve success everywhere.

By Vimal Wadhawan Yogachary
Advocate, Supreme Court of Bharat

<u>काँग्रेस का जन्म—</u>

<u>आचार्य डॉ उमेश यादव</u>

काँगेस की स्थापना (Mr Alan Octavian Hume) मि. ऐलेन ऑक्टिवन ह्यूम द्वारा करायी गयी । अंग्रेजी सरकार को लॉर्ड डफ्रिन ने सलाह दिया कि भारतीय ताकतों को कमजोर करने व उनमें फूट डालने के लिये हमें एक ऐसी संस्था बनानी होगी जो भारतीय लोगों में फूट डाले और राज करे । २८ दिसम्बर १८८५ में इण्डियन नेशनल काँग्रेस की स्थापना हुई जिसमें प्रमुख अधिकारी अंग्रेज ही थे और कुछ भारतीय लोगों को मिलाया था जिसमें चाफेकर बन्धु, सावरकर बन्धु, वारीन्द्र कुमार घोष तो थे भी नहीं । यह देखा जाये तो अंग्रेजों की एक चाल थी कि भारतीयों को कुछ नौकरियों व अन्य पदों पर प्रलोभन देकर उन्हें अपने कब्जे में रखेंगे और इस तरह भारतीय प्रेमियों की शक्ति को कमजोर बनायेंगे । यह भी उल्लेख कर देना उचित है कि इसी भाव से इन्होंने पहले ही भारत में लॉड मैकाले के सहयोग से शिक्षा पद्धति में परिवर्त्तन कर दिये और सब गुरुकुलीय शिक्षा तंत्र को मैकाले शिक्षा पद्धति में परिवर्त्तित कर भारतीय इतिहास को भी यत्र-तत्र बदल डाले । दूसरा राष्ट्रीय अधिकारों का नारा लगाकर भारतियों को प्रलोभन से बांधने की कोशिश की जिसमें बहुत से अधिकारी और भारतीय लोग फँसते रहे । तो काँग्रेस तो एक अजों दहिन्दों की मजमा थी अर्थात् इससे अंग्रेज अपनी ही नीति बुलन्द कर रहे थे । अंग्रेजी सामराज्य के विरोध में जो नारे लगाये और कुछ भी कार्य करे तो उन पर कॉग्रेस भी कड़ी नजर रखती थी । पर धीरे-धीरे यह नीति भारतीयों के समझ में आने लगी । महर्षि दयानन्द के विचार आगे आने लगे और लाला लाजपत राय, गुरुदत्त विद्यार्थी, महात्मा हंसराज आदि महान् आर्य नेताओं ने समझा और काँग्रेस की अधिवेशनों में जाते रहे और अन्दर की बातें समझते हुये धीरे-धीरे अंग्रेजों के सामने स्वराज्य, स्वदेश, स्ववस्तु व स्वभाषा की आवाज उठाने लगे जिससे अंग्रेजों का पाला काँग्रेस में भी कमजोर पड़ने लगा ।

तब काँग्रेस को राष्ट्र द्रोही संस्था न मानकर भारतीय राष्ट्र भक्तों ने उसे अपना हथियार बनाया । यह हिम्मत आर्य समाज के लोगों को आगे आने से ही हुआ ।

तब आर्य समाज लाहौर और भारत के कई महत्त्वपूर्ण शहरों में फैल चुका था । बड़े-बड़े शहरों में तो स्वयं महर्षि दयानन्द के हाथों ही आर्य समाजों की स्थापना हो गयी थीं, धीरे-धीरे देखते ही देखती सर्वत्र इसका विकास होने लगा, विशेष कर पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व दिल्ली क्षेत्र में तो आर्य समाज आग की तरह फैली जो विदेशी शक्तियों को जलाने में अत्यन्त सहयोगी रही ।

आर्य समाज का इतिहास, प्रथम भाग पृ. २२२-२३- -" १८८३ ई. में लाहौर में काँग्रेस का अधिवेशन हुआ । इसकी स्वागतकारिणी सभा में लाला लाजपत राय के अतिरिक्त बहुत से प्रमुख आर्य समाजियों को बुलाया गया । (तब तक नेशनल काँग्रेस का विधिवत् गठन नहीं हुआ था) इस समय तक काँग्रेस कोई राजद्रोही संस्था न मानी जाती थी । वह ऐसे देशभक्तों की संस्था थी जो सरकारी नौकरियों के द्वारा सभा की सदस्यता या हाईकोर्ट की जजों से ऊपर कोई चीज नहीं मांगती थे । इस कारण बहुत से ऊँचे सरकारी नौकर भी सम्मिलित हो जाते थे । " इसके आगे पृ. २२४ पर देखें इतिहासकार का विचार-

" काँग्रेस की नींव उनलोगों ने डाली है, जो अंग्रेज थे और अंगेज अपने देश के हितैषी हैं । इसलिये कभी सम्भव नहीं है कि काँग्रेस भारतवर्ष के लिये राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में सफल हो । "

अत: काँग्रेस तब भारतीय स्वतंत्रता की कमजोर कड़ी थी जो भारतीयों को कुछ नौकरियाँ व कुछ पद ही देकर उनके मुँह बन्द रखने में सफल हो रही थी । कुछ नौकरी व पदों तक पाना ही तब तक ही सामाम्न्य लोग अपनी स्वदेश-भक्ति व अपना देशाभिमान व अधिकार समझते थे । लेकिन महर्षि दयानन्द की शिक्षा जिन लोगों में थी उनमें कहीं आगे तक राष्ट्र भक्ति थी और वे अंग्रेजी सरकार का समूल नष्ट हो जाना माँगते थे और इसके लिये सदा अपनी भावनाओं व कार्यों से प्रयत्नशील रहे । इस सन्दर्भ में पं. गुरुदत्त विद्यार्थी जो महर्षि दयानन्द के अनन्य भक्त थे; का विचार जानने योग्य है । किसी के पूछने पर पं. गुरुदत्त बोले-

पंडित जी (श्री पं. गुरुदत्त विद्यार्थी), नेशनल काँग्रेस के बारे में आपकी क्या राय है ? पंडित जी चलते-चलते खड़े हो गये और बोले-नेशनल काँग्रेस के बारे में मेरी क्या राय है ? अच्छा एक बड़े मैदान में लकड़ियों का एक बहुत बड़ा ढेर

लगाइये और उसमें आग लगा दीजिए । उस ढेर के चारों ओर ऊँचे मीनारों पर पानी के नल लगा दीजिए । फिर एक ओर तो भड़की हुई आग में ईंधन डालते जाइये और दूसरी ओर पानी के नलकों में से सीधी धारा उस ज्वाला पर छोड़ते जाइये । यह है नैशनल काँग्रेस जिसका उद्देश्य काँस्टीट्यूशनल एजीटेशन (वैध आन्दोलन) है । पहले खूद आग लगाना और फिर बुझाने का नाटक करना ताकि आम जनता मूर्ख बनती रहे । -कल्याण मार्ग का पथिक १६४.

यहाँ तक कि काँग्रेस के संस्थापक मि. ह्यूम के वारे में निम्न पंक्तियों से जानिये कि उनका मौलिक विचार क्या था काँग्रेस की स्थापना के पीछे-

यह घटना १० मई १८५७ की है जब ब्रिटिश सरकार ने भारतीय सिपाहियों को गाय की चमड़ी से बने कारतूसों को दाँतों से खोलने पर मजबूर कर दिया था, बंगाल से आये भारतीय क्रांतिकारी मंगल पाँडे ने अम्बाला आकर ब्रिटिश मुख्य शासकीय केन्द्र पर उक्त कारतूसों के प्रयोग का विरोध किया तो सब ओर भारयीय सिपाहियों में भी इसका विरोध करने की अपार शक्ति मिली । तभी १० मई १८५७ को मेरठ में इसके विरोध में भारतीय सिपाहियों द्वारा एक गदर छेड़ा गया । इससे पूर्व ही इसी विरोध में ब्रिटिश सरकार ने ८५ भारतीय सिपाहियों को कैद करके १० वर्ष के कठोर कारावास में बन्द कर दिया था उन्हें ही छुड़ाने का आन्दोलन अत्यन्त गुप्त रुप से भारतीय सिपाहियों, कुछ क्रांतिकारी वीरों और कुछ भारतीय ग्रामीण लोगों द्वारा भी "फिरंगियों को मारो" नारा बुलन्द करते हुये भीषण आन्दोलन छेड़ दिया तब मि. ह्यूम इटावा में एक अधिकारी थे । मेरठ के इस दंगे से डरकर इटावा की सुरक्षा के लिये चारों ओर सिपाहियों की एक टुकड़ी तैयार कर दी थी । जब उन्हें पता चला कि कुछ विद्रोही मंदिर में छिपकर योजना बना रहे हैं तो वे अपने साथी डेनियल के साथ उन्हें पकड़ने इटावा के मंदिर में जा पहुँचे पर अचानक उन पर भारतीय सिपाहियों के साथ वहाँ इकट्ठे हुये वीरों ने उन पर ही आक्रमण कर दिया । पर कुछ भारतीय सिपाहियों में ब्रिटिश शासक के चाटुकार भी थे । उन लोगों की उदारतापूर्ण सहयोग से ही मि. एलन ओ ह्यूम वहाँ से भारतीय स्त्री के वेश में भाग कर अपनी जान बचाई । यह मि. ह्यूम भारतीय का हितैषी कभी नहीं रहे बल्कि जहाँ-जहाँ अधिकारी रहे वहाँ-वहाँ भारतीय कर्मचारियों से भेदभावपूर्वक ही व्यवहार किया है । उसी प्रकरण से यह प्रमाण उपस्थित है ।

“इटावा के कलेक्टर एलन ओ ह्यूम जब मेरठ का समाचार सुना तो उसने इटावा के चारों ओर की सड़कों पर पहरा देने के लिए एक टुकड़ी तैयार की...

यह समाचार सुनकर हूम और डैनियल कुछ सिपाहियों के साथ उन्हें पकड़ने उस मन्दिर में पहुँचे... यह देखकर ह्यूम साहब वहाँ से भाग खड़े हुये ... सिपाहियों की इस उदारता का लाभ उठाकर क्लेक्टर ह्यूम ने भी भारतीय स्त्री के वेष में किसी तरह भाग कर जान बचाई । इन्हीं ह्यूम साहब ने आगे चलकर काँग्रेस की स्थापना में मुख्य भाग लिया । --अठारह सौ संत्तावन लेखक श्री निवास बाला जी राव हर्डीकर पृ. ७८-७९

उपरोक्त पंक्तियों से स्पष्ट है कि मि. ह्यूम अंग्रेजी सरकार के चाटुकार थे और अंग्रेजों की किदमद से ही सरकारी पदों व अधिकारों का लाभ लेते थे । अत: भारत की शान में नहीं अपितु भारत को कमजोर करने के इरादों से ही अंग्रेजी शासन को मदद करने हेतु और भरतीयों में फुट डालने हेतु ही स्वार्थवश काँगेस की सथापना की ।

काँग्रेस का प्रथम अधिवेशन १८८५ में बम्बई में हुआ जिसकी अध्यक्षता श्री डब्ल्यू. सी. बनर्जी ने की और अपनी अध्यक्षीय भाषण में कहा-

“ मैं सब उपस्थित जनों के मत को प्रकट कर रहा हूँ, जब मै कहता हूँ कि अंग्रेजी सरकार को मेरी और यहाँ बैठे मेरे मित्रों की अपेक्षा गहरे और पक्के राजभक्त व्यक्ति मिलना असम्भव है ।” --भा. स्वा. संग्राम का इतिहास- पृ. ८६ इस तरह बनर्जी जैसे कई भारतीय अधिकारी भी अंग्रेजों के चाटुकार बने हुये थे जिसको मि. ह्यूम अच्छी तरह जानते थे और उसका पूरा फायदा भी उठाया ।
इसी तरह १८८६ के द्वितीय अधिवेशन में कलकत्ते में दादा भाई नारौजी ने भी अपने अध्यक्षीय भाषण में अंग्रेजी सरकार की तारीफ़ की और बोला- “ हमें ईंग्लैंड की अन्तरात्मा पर विश्वास रखना चाहिये । ”--पृ. ८६

पर आर्य समाज का इतिहास भाग १ पृ. ३०१ इन्द्र विद्यावाचस्पति को पढ़ने से पता चलता है कि तत्कालीन आर्य समाजी नेता व कार्य कर्त्ताओं ने अंग्रेजों की इस चाल को भी समझ लिया और अन्दर ही अन्दर भारतीय अधिकारियों को

मजबूत करना शुरु कर दिया और यह कार्य तब तक चला जब तक भारतीय अपनी स्वदेशभावना से मजबूत नहीं हुये ।

महादेव गोविन्द रानाडे-

श्री महादेव गोविन्द रानाडे तत्कालीन एक प्रमुख जज थे पर महर्षि दयानन्द के प्रभाव में उनके निकट के शिष्य बन गये थे । वे उस समय के काँग्रेस के प्रमुख व्यक्तियों में एक थे । १८७५ ई. में उन्होंने महर्षि दयानन्द को पूना में आमन्त्रित किया और उनके १५ महत्त्वपूर्ण वैदिक व्याख्यानों को सफलतापूर्वक करवाने में अहंभूमिका निभायी । वे परोपकारिणी आर्य सभा के भी सदस्य थे । पूना में महामहिम श्री रानाडे के प्रयास से महर्षि दयानन्द की सवारी निकाली गयी । कुछ विरोधियों ने कीचड़ भी फेंके । कुछ कीचड़ रानाडे पर भी पड़े और कुछ अन्य शिष्यों पर भी फिर उनके संकल्प ढिले नहीं हुये । विस्तार ज्ञान के लिये देखें-आर्य समाज का इतिहासपृ.९७-इन्द्र विद्यावाचस्पति

यह निश्चित है कि महर्षि दयानन्द के अनन्य शिष्य होने के नाते ही जस्टिश रानाडे ने काँग्रेस को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया । यद्यपि वे सरकारी पद पर थे फिर भी काँग्रेस को आधार बना कर भारतीय भावनाओं से ओतप्रोत होकर सबको देशहित की दिशा में मोड़ने का काम किया और ह्यूम की चाल को नाकाम कर दिया । साथ में अनेक आर्य समाजी कार्यकर्त्ता काँग्रेस के साथ जुड़े और आर्यावर्त्त की मूल वैदिक भावनाओं को जगाने में श्री रानाडे की अगुवायी में काँग्रेस आगे बढ़ी । यह महर्षि दयानन्द की ही देन थी जो महादेव रानाडे के रुप में राष्ट्रभक्ति को जनता में लाने का आधार काँग्रेस बना ।
गोपालकृष्ण गोखले- श्री गोपाल कृष्ण गोखले महर्षि दयानन्द के विचारों के अनुयायी बने पर वे सच जाने तो जसटिस श्री महादेव रानाडे के शिष्य थे । श्री रानाडे के सम्पर्क में आके आर्य समाज के सिद्धान्तों के पक्के बने और उन्हीं के प्रभाव से काँग्रेस का बागडोर भी पकड़ा । “ जस्टिस महाशय गोविन्द रानाडे की शिष्यता ने उन्हें (गो.कृ. गोखले) को त्यागमार्ग का राही बना दिया । - पृ.१०० भा.स्वा.सं. का इतिहास.

A TRIBUTE TO DR. ARVIND SHARMA

It is with a very heavy heart that I have to write down these lines. Dr. Arvind Sharma died on 2nd May 2022 and was cremated today 19th May 2022.

Arvind ji had a long association with our Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands, Birmingham.
I came to know him since year 1992. We both became member of our Arya Samaj. When we were working hard to collect funds in order to buy a headquarter for our Arya Samaj activities, I visited Dr. Sharma's house in year 1993-94 to collect funds from him and his friends who had gathered at his house. Dr. Sharma's father had come from Bharat that time. Dr. Sharma gave me a cheque of £500 on behalf of Dr. P.D. Gupta and himself. Ultimately with help and efforts of many of us including Dr. Sharma, we succeeded in buying a headquarter for our Arya Samaj in April 1995.

When I became President of Arya Samaj in year 2000-2004, I appointed Arvind ji to be Editor of our monthly bulletin “Aryan Voice”. He did this job very efficiently and quite well. I remember a particular incidence in one of our regular meetings of Executive Committee. Some prominent members of the committee wanted names of donors to be published in “Aryan Voice” on a regular basis in order to encourage other people to donate money. But Arvind ji was very much against it on the basis of his strong belief. I was put under lot of pressure to ask Arvind ji to comply with their requests. But I took a firm stand and replied that ""“I respect the stand taken by our Editor and will not compel him to act against his wishes”.

He worked in different posts of the Executive Committee and served as a President from year 2008-10. At his request a big event took place in Second City Suite, Birmingham in year 2009. About 700 people attended this function. After the revival of Arya Pratinidhi Sabha UK in year 2003, he took active part in its activities. At the time of his death, he was treasurer of this organisation.

I am immensely grateful to Dr. Arvind Sharma ji's help in dealing with a Court case initiated by a second priest of our Arya Samaj. This court case was a matter of survival for our Arya Samaj. With the grace of Almighty God, we succeeded in our efforts and managed to save the future of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands for the future generations to benefit from it. We got rid of Executive Committee and established The Board of Trustees with maximum of 9 members.
Dr. Sharma served as a secretary from year 2013-2016 of the Board of trustees.

We worked hard in consulting solicitors and explaining to our members in order to convert Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands into a Charitable Incorporated Organisation (CIO) and thus giving our Charity a legal status and providing personal protection to future trustees and workers.
In February 2014, Arya Samaj West Midlands successfully achieved a CIO legal status.

We also worked together to find another place for the headquarter of our Arya Samaj following a Compulsory purchase order in year 2012 from British Government to buy the building of our Arya Samaj for the development of HS2 trains. Together we visited various sites. In year 2016 my dear friend got too tired I suppose and decided to have a break from Arya Samaj. But being an active Charity minded person he got involved in Kinver Rotary Club nearer to his house.

We all are very sad due to his early death. We pray to Almighty God to give Sagati to his soul and strength to the family members to cope with their loss.

Om Shanti.

Dr. Narendra Kumar
Chairman

Youth Volunteers' Meeting on 8th May 2022

Aum Sewa Yuva Mandal (Youth Volunteer Forum) held a Meeting to discuss progress and focus on future activities etc.

The Meeting was attended by: Dr. Umesh Yadav, Mrs Brij Bala Duggal, Mr. Vijay Kumar, Mr. Parimal Somani, Mr. Naveen Ganpat, Mr. Amrik Singh, Mr. Pardeep Sharma.

Apologies: Mr. Vijay Kumar and Veena Devi had to leave after 15 minutes to attend a family function. Mr. V. Gulati and Ms Raji Chauhan were unable to attend due to family commitments.

The following points were discussed:

ASWM has it's own building with ample space and facilities to be able to host a number of activities. These activities are currently not well attended. The Organisers and people leading these activities are feeling disappointed. Mr. Amrik Singh, who is a qualified Yoga Instructor and Martial Arts teacher, has only five people attending his Yoga classes which take place on Sunday mornings.

The Bhangra and Fitness classes are starting soon and we hope these will be well attended. These will be presented as fun and fitness for good health. There will also be an opportunity for people to socialise afterwards.

There was some discussion about the name "Day Centre" and some members felt that it could be misinterpreted for after School care. Amrik explained the rules that apply to running a Day Centre for the Elderly. Perhaps we need to change the name or apply for correct certificates to run a Day Centre.

ASWM needs to promote itself and its activities through every possible channel, available to us. We need to encourage attendance and fulfil the mission to spread the knowledge of the Vedas. We need to use the potential of several platforms.

Facebook: We should target people in Birmingham and use both the free “events - functionality” as well as paid adds. We will monitor the effectiveness of these campaigns.

Whats App: We should use several groups to promote the activities of ASWM messages.

Website: We are currently working on an upgrade of our Website. The activities will be promoted extensively.

Future Meetings:The group agreed that we need to set-up regular meetings and monitor progress as well as making changes when we are not getting the desired results.

The group is enthusiastic and really wants to get things running smoothly. If you would like to join the group, please email us.

Next Meeting was scheduled for 12th June 2022 at 1:00 p.m.

Photo By Master Veer Kumar

वैदिक संस्कृति भारतीय संस्कृति मूलक पाठ्यक्रम व ऐतिहासिक सुधार

दिनांक- 18.4.2022
सेवा में,
श्री नरेन्द्र मोदी जी
प्रधान मंत्री
भारत सरकार

सादर नमस्ते ।

यह जानकर अतीव हर्ष हुआ कि भारत सरकार वर्त्तमान शिक्षा में अतित आर्यावर्त्त की गरिमा को पुनः महिमामय बनाने के लिये भारत सरकार नयी नीतियों को लागू करने की अच्छी सोच रखती है । अपनी संस्कृति को सत्यरुप से पहचानने के लिये पाठ्यक्रम में ऐतिहासिक परिवर्त्तन आवश्यक ही है ।

पाठ्यक्रम व इतिहास के सुधारात्मक रुप देने के लिये जिन विद्वानों का दल सरकार द्वारा गठित किया गया है उसमें आर्य समाज की परंम्परा से पठित आर्ष/आर्य /वैदिक विद्वानों को भी स्थान मिले ताकि आवश्यकताऽनुसार वेद उपनिषद दर्शन आदि शुद्ध आर्य आर्ष सिद्धान्तों के अनुरुप उक्त शिक्षा-अभियान में सटिक सुधार लाया जा सके ।

श्रीमन् महोदय,
निवेदन है कि संस्कृतज्ञ होना और बात है तथा आर्य वैदिक संस्कृतज्ञ होना और बात है । ऐसा न हो जाये कि पाठ्यक्रमों में एकतरफा पुराणों पर आधारित साम्प्रदायिक मत ही रह जायें जिससे सत्य आर्य महर्षि दयानन्द सरस्वती के बताये वैदिक सिद्धान्तों से हमारा देश व हमारे नागरिक वंचित रह जायें ।

स्मरण योग्य आर्य समाज का इतिहास है कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के द्वारा सन् 1855 से ही भारत को स्वतंत्रता दिलाने की राष्ट्रीय प्रेममूलक प्रेरणा भारतीय वीरों में जोरों से दी जाने लगी थी । उनका अमूल्य ऐतिहासिक ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश भी उक्त भाव को उभारने में अटूट साक्षी है । गोपाल कृष्ण गोखले, जस्टिस राणा डे, स्वामी श्रद्धानन्द, श्यामजी कृष्ण वर्मा, वीर सावरकर, वीर शहीद भगत सिंह (तीन पीढ़ियाँ), लाला लाजपत राय, मदन लाल ढींगड़ा, भाई परमानन्द, हरदयाल, महात्मा हंसराज, रामप्रसाद विस्मिल, सुभाष चन्द्र बोस आदि तमाम आर्य वीर महर्षि दयानन्द सरस्वती की राष्ट्रप्रेममूलक प्रेरणाओं से ही प्रेरित होकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपनी लगभग 80 % सहभागिता दर्ज कराई । इस विषय पर हमने अभी ही एक पुस्तक भी 388 पेज की सप्रमाण तैयार की है । बहुत शीघ्र जनता एवं सरकार तक इसे पहुँचाने का हमारा प्रयत्न जारी है ।

अत एव वर्त्तमान मोदी सरकार से विनम्र निवेदन है कि हम आर्य समाज की ओर से यह जो प्रार्थना कर रहे हैं, उसे सार्थक करने की कृपा की जाये । आर्य समाज (वैदिक मिशन) वेस्ट मिडलैंड्स यूनाइटेड किंगडम निवेदित भाव को पूरा करने के लिये वर्त्तमान मोदी सरकार से पूरजोर अपिल करता है ।

निवेदक
डॉ. नरेन्द्र कुमार-प्रधान
एवम्
आचार्य डॉ. उमेश यादव
मिनिस्टर आफ रेलिजन
आर्य समाज वेस्ट मिडलैंड (बर्मिंघम)
यूनाइटेड किंगडम
Email - enquiries@arya-samaj.org

Children's Corner

The Foolish Friend

There lived a foolish monkey who was very dear to the King. He was treated like a Royal and could roam about freely in the palace.

One day, the King was sleeping in his bedroom while the monkey kept watch. Suddenly, a fly appeared in the bedroom and sat on the King's chest.

Furious, the monkey took a sword and chased the fly around the bedroom. Once again, the fly sat on the King's chest. The monkey tried to hit the fly with all his strength. The King woke up severely injured by the sword. The unharmed fly flew out of the window.

Moral of the Story: A foolish friend can cause more harm than an enemy.

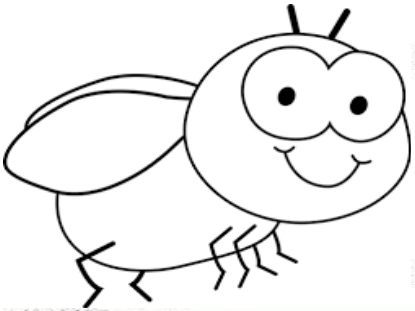

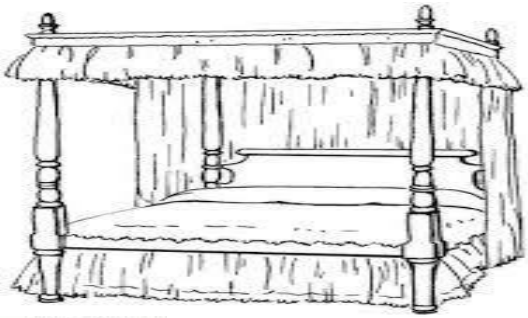

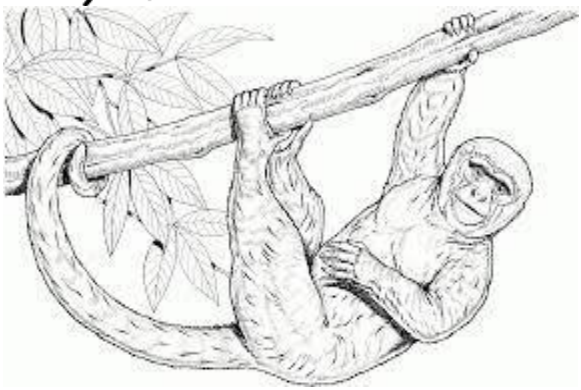

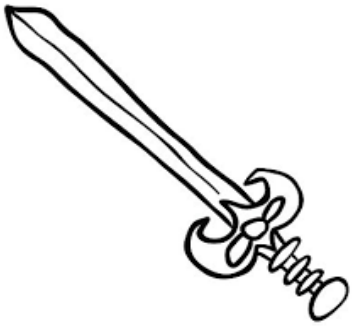

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE and after 6pm on weekdays.

Condolences:

- Mrs Nirmalben and family - for the loss of her beloved husband Mr Ramanlal Parmar (83), Life member of Arya Samaj. He passed away on 5th May 2022. We pray to Almighty God to give Sadgati to his soul and strength to the family to cope with their loss.
- Dr (Mrs) Kanta Sharma and family – for the loss of her beloved husband Dr Arvnid Sharma, Ex President of Arya Samaj. He passed away on 2nd May 2022. We pray to Almighty God to give Sadgati to his soul and strength to the family to cope with their loss.

Havan:

- Mr Jitender Vatta & Mrs Pamela Vatta and family – Havan on 30th April 2022 for 1st death anniversary in sweet memory of their beloved father Shri Ram Sarup Kohli. May God grant him eternal peace.
- Mr Yoginder Paul Nischal & Mrs Renu Nischal and family – Havan on 1st May 2022 for the happiness in family. Wishing them good heath and prosperity.
- Mr Ashvini Wig & Mrs Neeru Wig and family – Havan on 14th May 2022 for blessing to their daughter Parul to be married with Shikhar. Wishing them a happy married life.
- Mr Chetan Sethi & Mrs Natasha Sethi and family – Havan on 15th May 2022 for 1st death anniversary in sweet mermory of his beloved father Late Shri Deveshwar Sethi. May God grant him eternal peace.

Donations:

- Naveen Ganpat £51

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- Mr Chetan Sethi £101
- Mr Yoginder Paul Nischal £101
- Mr Ashvini Wig £51
- Mr Madan Mohan Sharma £50
- Mr Jitender Vatta £50
- Mrs Asha Verma £20

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences, on different occasions Or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

Thank you for all your donations we are very grateful!

YOUR ARYA SAMAJ IS HERE TO HELP IN "YOUR HOUR OF NEED"

Dear members

Due to Covid-19 Pandemic and other issues, some of us have been going through all kinds of problems.

Your Arya Samaj is here to help you in your hour of need.

Please get in touch with us. Our Acharya ji, Shri Umesh Yadav, is a resident priest and lives in our Arya Samaj Bhavan.

You can contact him by phoning on 0121 3597727 or emailing on enquiries@arya-samaj.org

If Acharya Ji is not available to answer your phone, please leave a message with your full name, telephone number and briefly about your problem. It will be answered soon.

Please do not suffer alone. Talk to us. We exist to support our members and friends, especially when they are in any kind of trouble.

So please remember us in "Your Hour of Need".

Thank you.

Kind regards - Dr. Narendra Kumar

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Mrs Rama Joshi	£1001
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£1000
Dr Saroj Adlakha	£1000
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archna Bathla	£1000
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mr Swaraj and Vijay Kumar	£301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Usha Khosla	£151
Mrs Suraksh Soni	£125
Mr Surinder Julka	£101
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100
Mr Ashok & Mrs Sunita Bakshi	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Mr V.P Rawal	£121	Yearly
Mr Parimal Somani	£120	Yearly
Mrs Brij Bala Duggal	£120	Yearly
Dr Vivek Gulati	£101	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr P.D. Gupta	£21	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mr Varinder Bahal	£15	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Mr Vinod Gulati	£10	Monthly
Mr Alok Yadav	£10	Monthly
Mr Jatender Vatta	£10	Monthly
Mr Madan Mohan Sharma	£10	Monthly
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly
Mr Amit Khanna	£5.00	Monthly
Mr Vijay Kumar	£5	Monthly

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information -

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months & Life membership is £500 paid once.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
  - Maharishi Dayanand Hall and Swami Shraddhanand Hall – Members and friends can hire hall for celebration of birthday etc, as long as you do not drink alcohol and eat meat. We ask for a donation to cover electricity, gas and cleaning expenses. Please call 0121 359 7727 to book your event.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £51
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £200
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £250
  - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £200

Note – Arya Samaj policy – All fees for Sacraments and Cermation are paid within 7 days.

MEETING FOR VOLUNTEERS

We are holding our 5th and 6th Meeting for Volunteers to attend **on Sunday 12th June 2022 and Sunday 10th July 2022.**

Time: - 1:00 p.m. – 3:00 p.m.

Venue: - The meeting will take place in Our Arya Samaj's Building - Swami Shraddanand Hall.
This meeting will be hosted by Mr Vijay Kumar and Mr Vinod Gulati Ji (BOT Members) Along with Miss Raji Chauhan (Office Manager), Our Acharya Dr. Umesh Yadav Ji (Minister of Religion) and Mrs. B.B. Duggal (BOT Members).

Topic: YOUTH ACTIVITIES & 'SEWA' TASKS - Most Charity Organizations have volunteers who help with simple tasks during organisations activities. If you can offer to do 'Seva' even if it is once a week or month for 2 - 3 hours, it would be helpful. Even if you cannot commit to giving time at present, please do attend so that we can hear your views.

We know that most of you would like to help and support but quite often people do not know what help is needed and when. We have made a list of activities and it will be shared with you in the meeting.

We look forward to meeting with you and may we take this opportunity to thank you for your support.

AUM YOUTH VOLUNTEERS SEWA MANDAL
ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WM UK

Weekly services details

Please share with family & friends

NEW – Tuesday Bhangra and Fitness Class – only at Bhavan

Starting from 23rd May 2022

Time: 6:30pm – 7.30pm

Please join Mr Kulwinder Singh every Tuesday 6.30pm – 7.30pm for Bhangra and fitness class. This is a free class and everyone is welcome.

Wednesday Day Centre – only at Bhavan

Time: 12pm – 3pm

Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 12pm. Emphasis is on keeping healthy and fit with yog and Pranayam. We will offer Tea/Coffee and biscuits free of cost. Those members who would like to have Lunch, we will try to provide lunch at the cost charged by caterer to us.

Wednesday Sanskrit Learning – via zoom only

Time: 8:00pm – 9pm

Every week from Wednesday 6th April 2022, until August 31st 2022. New ID will be sent out in September 2022

Join Zoom Meeting
https://us06web.zoom.us/j/87334999558?pwd=NVVmbVhIb3h1NTFFdzdYN2w5bDBiQT09

Meeting ID: 873 3499 9558

Passcode: Vedic2

NEW – Sunday Yog Class – only at Bhavan

Time: 9:00am – 11am

Please join Amrik Singh Virdi (YOG Teacher) every Sunday 9am to 11am for Yog and fitness class. Amrik has been a yog teacher

since 2012. This is a free class and everyome is welcome. Please bring your own mat and water bottle. Full support will be given with all exercises in a friendly environment. Learn self management massage techniques, Ayurveda Treatments, and much more.

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am – 1pm - followed by Rishi Langer

Every week from Sunday 3rd April 2022, until August 28th, 2022. New ID will be sent out in September 2022

Join Zoom Meeting
https://us06web.zoom.us/j/88144493522?pwd=dUs3c25rWjJ5NDZndXlYN283dEdLZz09

Meeting ID: 881 4449 3522

Passcode: Havan2

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted, please inform the office.

0121 359 7727

Member or non-member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj.
Please call 0121 359 7727

If you are not having any symptom of Covid-19, we request you to start attending Sunday Congregation, Yog Class & other events we will hold this year at Arya Samaj Bhavan. But for the benefit of those members who can not come to Bhavan we will continue providing our services on Zoom.

We need more of our members to donate monthly/yearly.

We need to expand our list of generous monthly/yearly donors list to financially support our Arya Samaj in future.

At present we are receiving about £300 of regular donations every month.

We need to increase to £1000 a month at least in near future.

About 25 of our members are already donating regularly. We are grateful to them and thank them for their generosity.

Please get in touch with Arya Samaj office or donate directly into Arya Samaj Bank account as below by setting up a monthly standing order.

Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number – 65839135 Sort Code – 08.92.99

Once you have donated online, please let us know by email or phone.

Your help is highly appreciated.

Thank you.

Dr. Narendra Kumar
Chairman